

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 18 सितंबर, 2026

जारी करने का समय: 1315 घंटे

विषय: (i) 19 सितंबर, 2026 के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल हो रही हैं।

(ii) 19 सितंबर, 2026 के आसपास अंडमान सागर और उसके आस-पास के इलाकों में निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है।

आज, 18 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ पूर्वी राजस्थान, सौराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, बिहार और सिक्किम में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ असम, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ 19 सितंबर, 2026 के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल हो रही हैं।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर उत्तरी गुजरात और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ उत्तरी थाईलैंड के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण आज, 18 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर उसी क्षेत्र में बना हुआ है। इसके 18 सितंबर की शाम के आसपास उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर आने की संभावना है और इसके असर से 19 सितंबर 2026 की शाम के आसपास उसी क्षेत्र में निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके बाद, इसके धीरे-धीरे और तेज़ होने और अगले 3-4 दिनों के दौरान दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है।
- ❖ मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर पर एक ट्रफ लगभग 75°E देशांतर के साथ 28°N अक्षांश के उत्तर की ओर फैली हुई है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर सिक्किम से बांग्लादेश होते हुए उत्तरी बंगाल की खाड़ी तक एक ट्रफ फैली हुई है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर सिक्किम और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर पूर्वी बांग्लादेश के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर पर उत्तरी आंतरिक तमिलनाडु और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर पर मराठवाड़ा से दक्षिण-पूर्वी अरब सागर तक एक ट्रफ फैली हुई है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 18 सितंबर और 23-24 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 18-24 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

- ❖ 18-19 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 18-20 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 19-22 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश और 18 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 18-19 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 18-19 सितंबर और 24 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 18-19 सितंबर और 21-24 सितंबर के दौरान विदर्भ में; और 19-24 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 20-24 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 20-23 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 20 सितंबर को विदर्भ में; और 18 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18 सितंबर और 24 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 24 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 22-24 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 18-24 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 18-19 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 18-20 सितंबर तथा 23-24 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। झारखंड में 24 सितंबर को; ओडिशा में 22-24 सितंबर के दौरान।
- ❖ 20-24 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 21-22 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 18-23 सितंबर के दौरान झारखंड; 18-24 सितंबर के दौरान बिहार; 18-21 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 20 सितंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 19 और 24 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 18 सितंबर और 23-24 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 18 सितंबर को बिहार; 18-19 और 22 सितंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 18-19 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 18 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 23-24 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 18 सितंबर को ओडिशा और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर तेज बिजली गिरने की गतिविधि की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 18-23 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय; 18-19 और 21-23 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है।
- ❖ 24 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय; 20 और 24 सितंबर को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश की संभावना है।
- ❖ 18-20 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम व मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18 सितंबर को असम व मेघालय; 19-20 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 18 सितंबर और 21-24 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 21-22 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 18-19 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 18-20 सितंबर और 23-24 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 18-24 सितंबर के दौरान मराठवाड़ा में; 20-24 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 18-23 सितंबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 21-22 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 20-22 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 18-20 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 18-19 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 18-19 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 18 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 21-22 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 18 सितंबर और 20-22 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 18 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 18-24 सितंबर के दौरान रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18-19 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में; 18 सितंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 18-22 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है। □ 18-24 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 20-24 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में; 19-24 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 23-24 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18-22 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 20-22 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 21-22 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में; 20-22 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 19-22 सितंबर के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 18-19 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 18-22 सितंबर के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 18-20 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 18-19 सितंबर के दौरान लक्षद्वीप और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 18 सितंबर को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18-22 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18-20 सितंबर और 24 सितंबर को केरल और माहे में; 20-24 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 18-24 सितंबर के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 18-20 सितंबर और 23-24 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 19 सितंबर को रायलसीमा में; 19-24 सितंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18-22 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 18 सितंबर को केरल और माहे में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया के तटों के पास और दूर, 23 सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 18 सितंबर को पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में।

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 23 सितंबर तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के कुछ हिस्सों में; 19 से 23 सितंबर के दौरान दक्षिण श्रीलंका के तटों से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 21 सितंबर को पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण म्यांमार के तट के पास और दूर; 22 सितंबर को पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण म्यांमार के तट के पास और दूर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

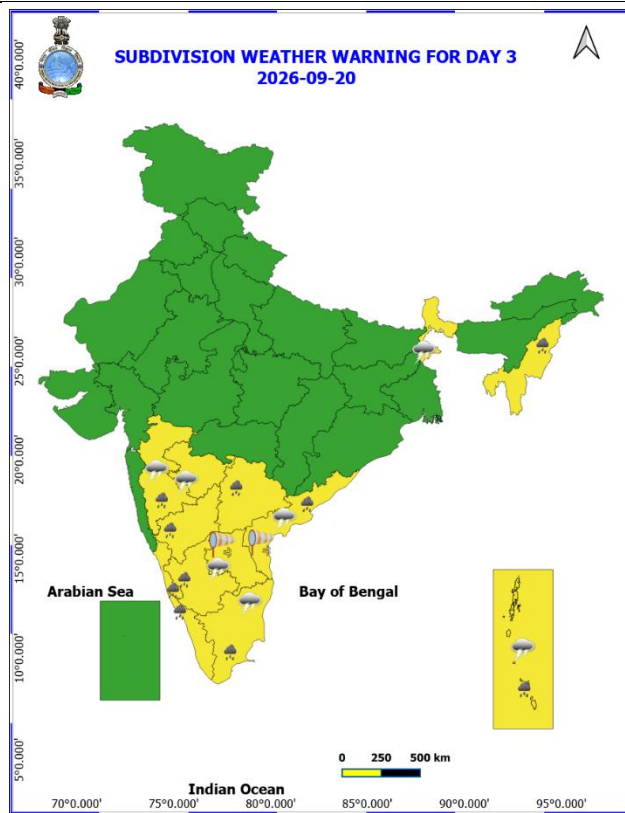
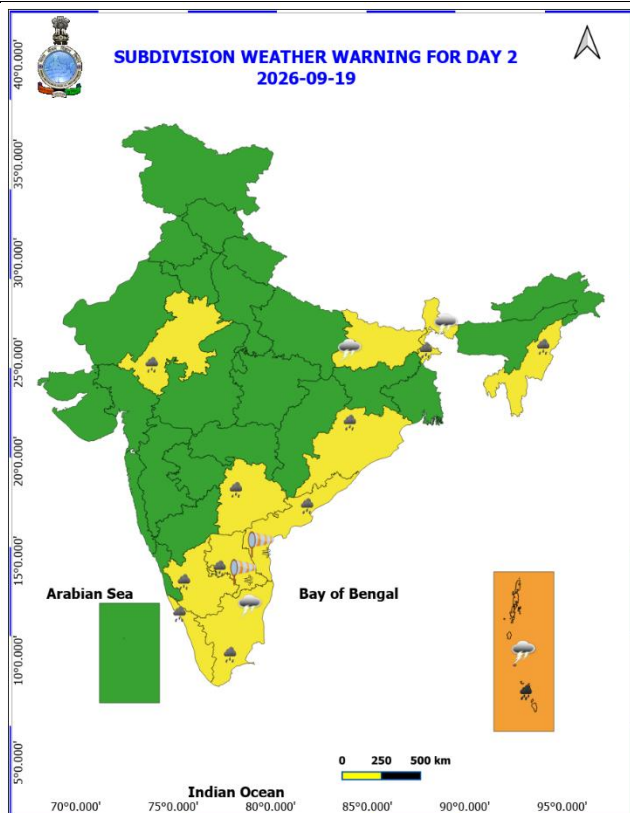
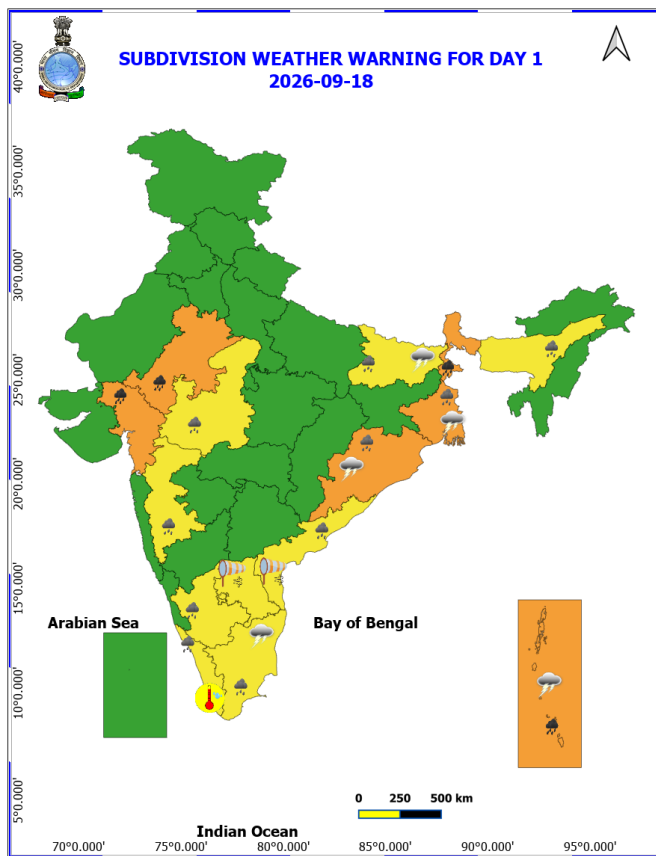
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

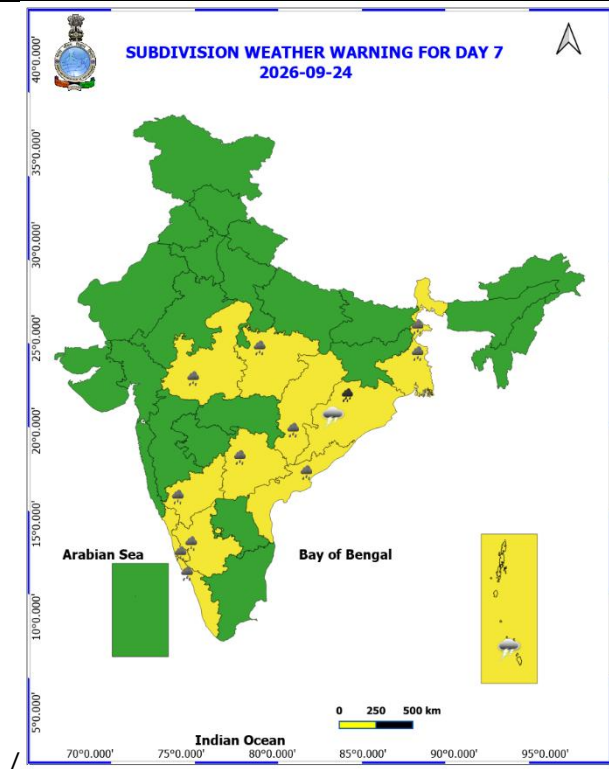
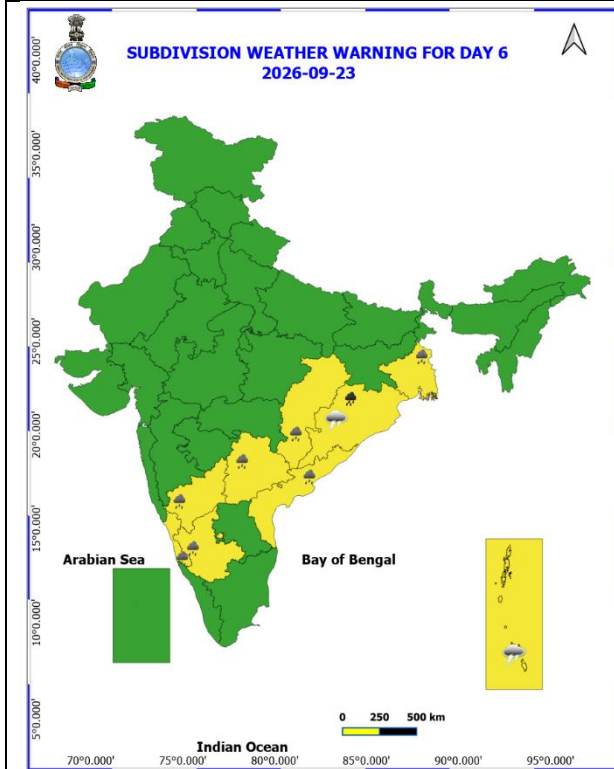
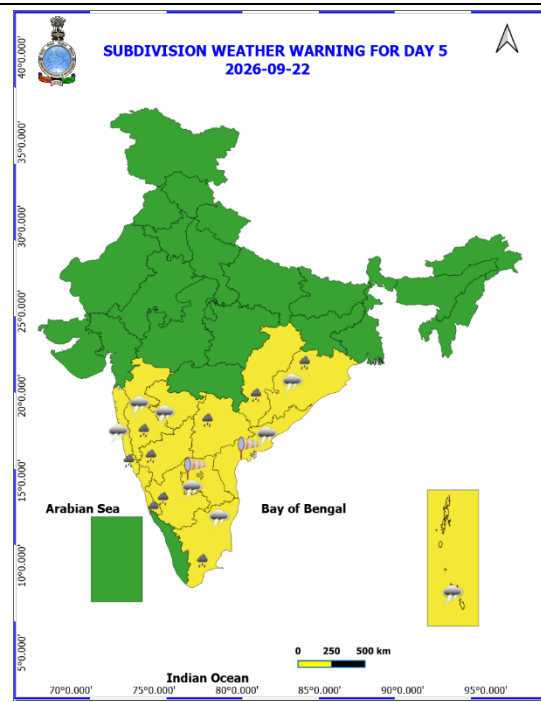
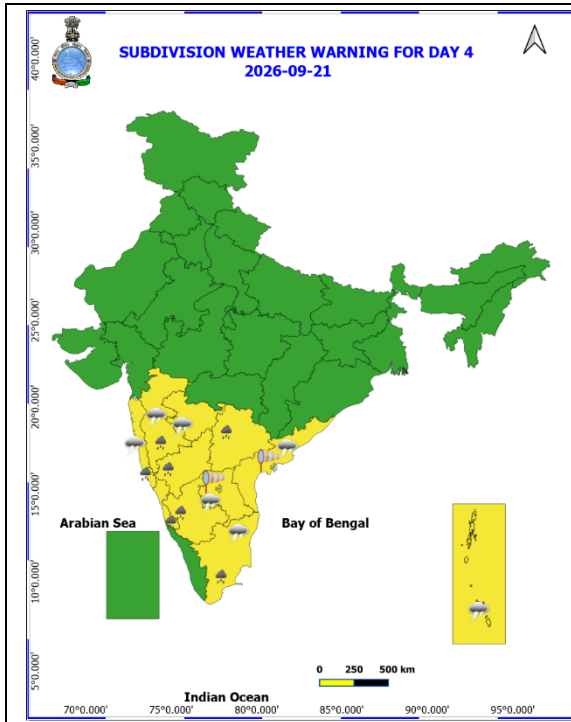
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ पूर्वी राजस्थान: आसपुर (जिला डूंगरपुर) 20
- ❖ सिक्किम: दीमा 16
- ❖ सौराष्ट्र: मालिया_मियाणा (मोरबी) 13
- ❖ बिहार: पोठिया (जिला किशनगंज) 13
- ❖ गुजरात क्षेत्र: मोडासा (अरावली) 12
- ❖ मराठावाड़ा: सोनीपथ (परभणी) 11
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: सबलगढ़ 11
- ❖ असम: बेकी माथंगुरी 9
- ❖ तेलंगाना: कावेरी_सिद्दीपेट(सिद्दीपेट) 8
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: अमता 8
- ❖ तमिलनाडु: पुल्लमबाड़ी (तितुचिरापल्ली) 8
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: ओरछा 7
- ❖ ओडिशा: भंगरिपोसी (जिला मयूरभंज) 7
- ❖ झारखंड: ठेठईटांगर 7
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: मधुगिरि (जिला तुमकुरु) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Sep	19- Sep	20- Sep	21- Sep	22- Sep	23- Sep	24- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	WS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
9	BIHAR	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
23	KONKAN & GOA	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
29	TELANGANA	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

18 सितंबर से 21 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की गिरावट आई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग $33-34^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $21-25^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवा चली। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान मुख्य रूप से साफ़ रहने और उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

18.09.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ़ रहेगा और बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय इसकी रफ्तार 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय ज़मीनी हवा की रफ्तार कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

19.09.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

20.09.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

21.09.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ़ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली ज़मीनी हवा की रफ्तार कम होकर 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 18 तारीख को पूर्वी राजस्थान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और गुजरात क्षेत्र में; 18-19 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 23-24 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 सितंबर को ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ अंडमान और निकोबार में, केले और पपीते के बागानों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और छोटे पौधों व सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें। पानी जमा होने से बचाने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- ❖ असम और मेघालय में, मक्का, उड़द, मूंग और तिल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालें और जल निकासी के रास्तों को साफ रखें। धान की फसल में पानी का सही स्तर बनाए रखें, पपीता, केला और कमज़ोर तने वाली फसलों को सहारा दें, और जहाँ संभव हो बारिश से पहले कदू और लौकी की कटाई कर लें।
- ❖ मिजोरम में, मक्का की कटाई के बाद उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल और मसूर की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। अदरक के खेतों में पानी की निकासी सुनिश्चित करें और पानी जमा न होने दें ताकि सॉफ्ट-रॉट और राइज़ोम-रॉट (सड़न) की समस्या कम हो।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान की फसल में पानी का सुरक्षित स्तर बनाए रखें और धान व मूंग के खेतों में जल निकासी के रास्तों को साफ रखें। धान के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालें और परवल (पॉइंटेड गॉर्ड) की सुरक्षा करें।

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, मोटे अनाज (मिलेट्स), अदरक, हल्दी, सब्जियों, दालों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकालने का तुरंत इंतज़ाम करें। सब्जियों की नर्सरी की सुरक्षा करें, सब्जियों को सहारा दें और केले के नए लगाए गए पौधों के चारों ओर मिट्टी चढ़ाएं; बारिश रुकने और मिट्टी की स्थिति ठीक होने तक खेत के काम टाल दें।
- ❖ तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में, केले और पपीते के बागानों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और छोटे पौधों व सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें। गन्ने की फसल को सहारा (प्रॉपिंग) दें। खड़ी फसलों में सिंचाई, खेती-बाड़ी के अन्य काम और पौधों की सुरक्षा व खाद डालने का काम टाल दें। पानी जमा होने से बचाने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश - सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए सही जल निकासी सुनिश्चित करें। कमज़ोर पौधों को सहारा दें और लंबे गन्ने को सहारा (प्रॉपिंग) दें ताकि वे गिरें नहीं।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में, पानी जमा होने से बचाने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। केले और पपीते के बागानों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और छोटे पौधों व सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें। गन्ने की फसल को सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, खड़ी फसलों में सिंचाई, खेती-बाड़ी के अन्य काम और पौधों की सुरक्षा व खाद डालने का काम टाल दें। पानी जमा होने से बचाने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- ❖ गुजरात में, गीले मौसम में सिंचाई, खाद/टॉप ड्रेसिंग और खेती-बाड़ी के अन्य काम न करें और पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें। पौधों की सुरक्षा का काम तभी करें जब बारिश रुक जाए और मौसम साफ़ और शांत हो।
- ❖ बिहार में, बारिश के दौरान कीटनाशक या फफूंदनाशक का छिड़काव न करें; पौधों की सुरक्षा के उपाय तभी करें जब मौसम साफ़ और सूखा हो।
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, कटी हुई फसल को सुरक्षित और ढकी हुई जगह पर रखें, और खेत के ढांचों व उपकरणों को सुरक्षित करें। खड़ी फसल में सिंचाई, खेती-बाड़ी के अन्य काम, पौधों की सुरक्षा के उपाय और खाद डालने का काम टाल दें। खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का उचित इंतज़ाम करें।
- ❖ तमिलनाडु में, खड़ी फसल वाले खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और बारिश के दौरान खाद व कीटनाशक का इस्तेमाल न करें, खासकर उन जगहों पर जहाँ कल भारी बारिश हुई थी। केले के पौधों को सहारा दें और गन्ने को गिरने से बचाने के लिए सहारा (प्रॉप) लगाएँ।
- ❖ केरल में, हाल की बारिश के बाद केले, काली मिर्च, नारियल, अदरक और हल्दी के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें और केले के पौधों व मचान पर उगाई जाने वाली फसलों को मज़बूत सहारा दें। बारिश रुकने और मिट्टी की स्थिति ठीक होने तक खेत के सभी काम टाल दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

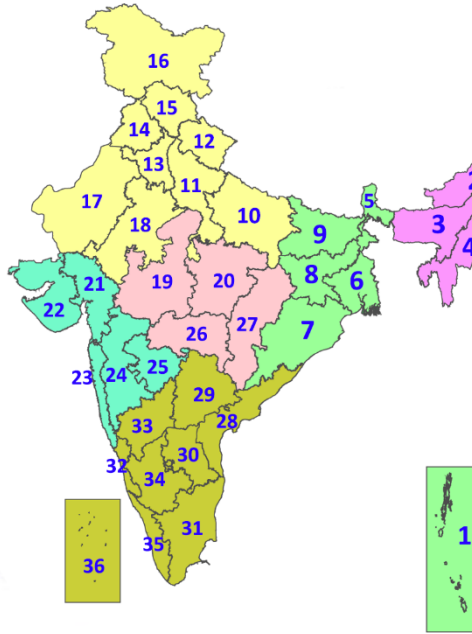
संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।

- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)